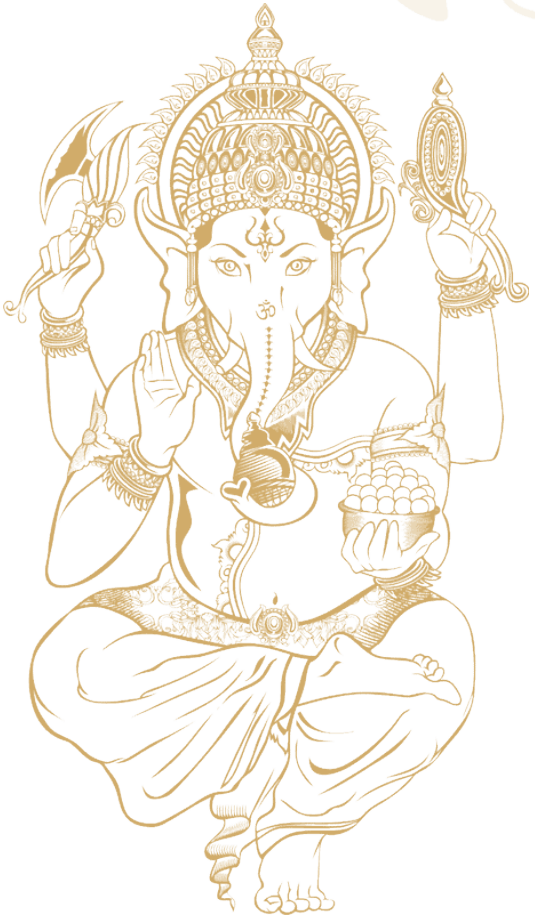

Jatin

28 Oct 1998

05:54 AM

Hindaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121110803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/10/1998**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:54:00 घंटे**
इष्ट	58:34:30 घटी
स्थान	**Hindaun**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	77:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:32:08 घंटे
वेलान्तर	00:16:07 घंटे
साम्पातिक काल	07:56:45 घंटे
सूर्योदय	06:28:12 घंटे
सूर्यास्त	17:43:11 घंटे
दिनमान	11:15:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:32:32 तुला
लग्न के अंश	02:07:42 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	02:07:42	317:50:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
सूर्य			तुला	10:32:32	00:59:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मक	04:54:47	12:47:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	18:32:35	00:35:42	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	29:50:11	01:23:43	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	24:47:13	00:03:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	09:59:24	01:15:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	05:59:02	00:04:46	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	05:06:42	00:00:27	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:06:42	00:00:27	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:00:28	00:00:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:37:19	00:00:33	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:49:48	00:02:04	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	03:17:47	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:15

लग्न-चलित

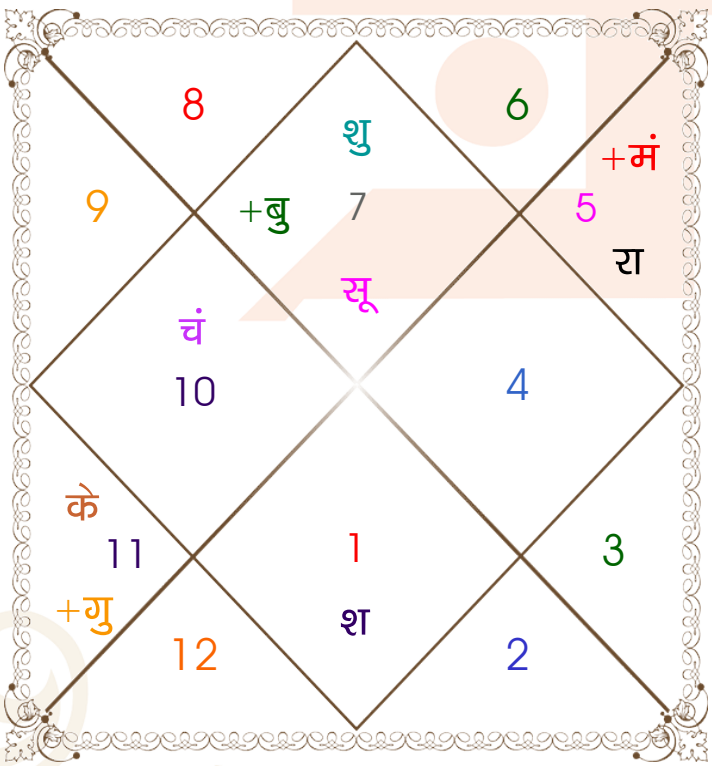

चन्द्र कुंडली

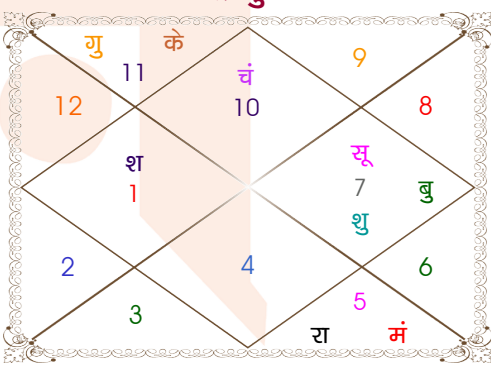

नवमांश कुंडली

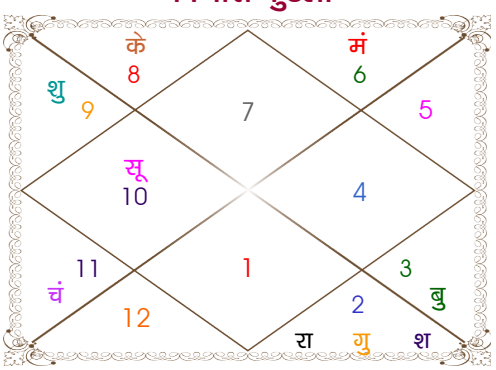

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 3 मास 14 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/10/1998		10/02/2001		10/02/2011		10/02/2018		11/02/2036	
10/02/2001		10/02/2011		10/02/2018		11/02/2036		11/02/2052	
	00/00/0000	चंद्र	11/12/2001	मंगल	09/07/2011	राहु	23/10/2020	गुरु	31/03/2038
	00/00/0000	मंगल	12/07/2002	राहु	27/07/2012	गुरु	19/03/2023	शनि	11/10/2040
	00/00/0000	राहु	11/01/2004	गुरु	03/07/2013	शनि	23/01/2026	बुध	17/01/2043
	00/00/0000	गुरु	12/05/2005	शनि	12/08/2014	बुध	11/08/2028	केतु	24/12/2043
	28/10/1998	शनि	11/12/2006	बुध	09/08/2015	केतु	30/08/2029	शुक्र	24/08/2046
शनि	29/11/1998	बुध	12/05/2008	केतु	05/01/2016	शुक्र	29/08/2032	सूर्य	12/06/2047
बुध	06/10/1999	केतु	11/12/2008	शुक्र	06/03/2017	सूर्य	24/07/2033	चंद्र	11/10/2048
केतु	11/02/2000	शुक्र	12/08/2010	सूर्य	12/07/2017	चंद्र	23/01/2035	मंगल	17/09/2049
शुक्र	10/02/2001	सूर्य	10/02/2011	चंद्र	10/02/2018	मंगल	11/02/2036	राहु	11/02/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/02/2052		10/02/2071		11/02/2088		10/02/2095		11/02/2115	
10/02/2071		11/02/2088		10/02/2095		11/02/2115		00/00/0000	
शनि	13/02/2055	बुध	09/07/2073	केतु	09/07/2088	शुक्र	12/06/2098	सूर्य	01/06/2115
बुध	24/10/2057	केतु	06/07/2074	शुक्र	08/09/2089	सूर्य	12/06/2099	चंद्र	01/12/2115
केतु	02/12/2058	शुक्र	06/05/2077	सूर्य	14/01/2090	चंद्र	11/02/2101	मंगल	06/04/2116
शुक्र	01/02/2062	सूर्य	13/03/2078	चंद्र	15/08/2090	मंगल	13/04/2102	राहु	01/03/2117
सूर्य	14/01/2063	चंद्र	12/08/2079	मंगल	11/01/2091	राहु	13/04/2105	गुरु	18/12/2117
चंद्र	14/08/2064	मंगल	08/08/2080	राहु	29/01/2092	गुरु	13/12/2107	शनि	29/10/2118
मंगल	23/09/2065	राहु	26/02/2083	गुरु	04/01/2093	शनि	11/02/2111		00/00/0000
राहु	30/07/2068	गुरु	02/06/2085	शनि	13/02/2094	बुध	12/12/2113		00/00/0000
गुरु	10/02/2071	शनि	11/02/2088	बुध	10/02/2095	केतु	11/02/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।